>

Title: Need to take effective steps to control annual floods in the Eastern Uttar Pradesh and Bihar particularly in Deoria Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

श्री गोरख प्रसाद जायसवाल (देवरिया): उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल इलाकों में विशेषकर मेरे संसदीय क्षेत्र देवरिया में पड़ने वाली नदियों के पास के गांव हर बार बाढ़ की चपेट में आ जाते हैं और मेरे संसदीय क्षेत्र के दूसरे जिले कुशीनगर में इस बार बाढ़ की विभीषिका भीषण रही है। पूर्वांचल में एवं बिहार के उत्तरी हिस्सों में हर साल की बाढ़ में कई अरबों रूपये की फसल नष्ट हो जाती है और सैंकड़ों पशु मारे जाते हैं और लोगों की जान भी चली जाती है। बाढ़ से गांव के गांव बह जाते हैं और नदियों के किनारों पर कटाव होता है जिसके कारण लोगों के खेत इधर से उधर हो जाते हैं और लोगों में इस कारण कई झगड़े होते हैं। इन कटावों से बंजर भूमि का क्षेत्रफल हर साल बढ़ जाता है। इससे लोगों के रहन-सहन एवं बच्चों के विकास एवं पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। मेरे संसदीय क्षेत्र के नारायणी नदी पर तम्कुही राज क्षेत्र पर भूमि कटाव बड़ी मात्रा में हो रहा है।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि पूर्वांचल चाहे वे उत्तर प्रदेश के हो चाहे वे बिहार के हो, बाढ़ से बचाव करने की योजना तीन माह पूर्व कर लेनी चाहिए और बाढ़ अधिक पानी के बहाव से होता है उसका उपयोग पन बिजली सृजन में किया जाये इससे बिहार और उत्तर प्रदेश में बिजली की कमी को दूर किया जा सकेगा।